2.2	नधसवाननासुातः।
78	ग्रासवा अभिषवा अवस्तानामान
79	मधनएडकारात्तमा समा ॥ ६०५ ॥
80	गत्त्वर्कस्तु चषकः स्यात्सर्कश्चानुतर्षणम् ।
81	श्रुगडापानं मद्स्थानं
82	मध्वारा मधुक्रमाः ॥ ६०६ ॥
83	सपोतिः सक्पानं स्या-
84	द्यानं पानगाष्टिका।
85	उपदंशस्त्ववदंशश्चत्ताां मद्यपाशनम् ॥ १०७ ॥
86	नाडिंधमः स्वर्णाकारः कलादो मुष्टिकश्च सः।
87	तैत्रसाविर्तिनी मूषा विकास क्रिक्त
88	भस्त्रा चर्मप्रसेविका ॥ ६०८ ॥
89	म्रास्पोरनी वेधनिका
90	शाणस्तु निकषः कषः।
91	संदंशः स्यात्कङ्कमुखा
92	अमः कुन्दं च यत्त्रकम् ॥ ६०६ ॥
7	7. 78. Destillation (4 W.). — 79. Der Schaum auf einem gäh-
	en Getränke (2 W.) 80. Ein Gefäss zum Trinken berau-
schender Getränke (4 W.). — 81. Laden, wo berauschende Getränke	
verkauft werden. — 82. Rundtrinken? (2 W.). — 83. Gemeinschaft- liches Trinken, Zechgelage (2 W.). — 84. Trinkstube (2 W.) —	
	Das Essen zur Erregung des Durstes (4 W.). — 86. Goldschmidt
(4)	V.). — 87. Schmelztiegel (2 W.). — 88. Blasebalg (2 W.). —

89. Bohrer zum Durchbohren der Perlen u. s. w. (2 W.). - 90.

Probierstein (3 W.). — 91. Zange (2 W.). — 92. Drechselrad (3 W.).

(3 W.).